CONSENT LETTER

महोदय,

हमारे क्षेत्र सलूड़-डुंग्रा के पौराणिक एवं धार्मिक मेला कार्यक्रम 'रम्माण' को यदि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा विश्व सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया जाता है तो हमें किसी भी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी।

हम आशा करते हैं कि इससे विलुप्त हो रही विशिष्ट सांस्कृतिक धरोहर को आने वाली पीढ़ी के लिए बचाया जा सकेगा, साथ ही सम्पूर्ण क्षेत्र का सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास होगा।

देवेन्द्र सिंह
(देवेन्द्र सिंह बुंनर)
अध्यक्ष
ग्राम - सलूड़

भरत सिंह
(भरत सिंह भण्डारी)
अध्यक्ष
ग्राम - डुंग्रा

(डॉ० कुशल सिंह भण्डारी)
संयोजक - रम्माण मेला
कार्यक्रम

दिनांक - 08.09.2008

ग्राम - सलूड़-डुंग्रा
पो० - सलूड़-डुंग्रा
वि० खण्ड - जोशीमठ
जिला - चमोली (उत्तराखण्ड)
पिन - 246443

PS: kindly see english version attached below.

CONSENT LETTER
(Translated)

To whom it may concern

We would have no objection of any kind if Ramman, the religious fair form, derived from Puranas, practiced in our area, Saloor Dungra, is declared as Representative Heritage of the World, recognized by the UNESCO.

We hope that this will save this distinctive and vanishing cultural heritage from extinction, and safeguard it for succeeding generations, and help in the cultural and social regeneration of the area.

sd/-
(Devendra Singh Kunwar)
President
Village - Saloor

sd/-
(Bharat Singh Bhandari)
President
Village Dungra

sd/-
(Dr. Kushal Singh Bhandari)
Coordinator – Ramman Festival

Village Saloor and Dungra
Vikas Khand Joshimath
Distt. Chamoli (Uttarakhand)
Pin: 246493